चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	5-10-26	5	5

सरसों की अच्छी पैदावार के लिए समय पर बिजाई जरूरी

सरसों की बिजाई का शुभारंभ करते कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज।

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के डा. रामधन सिंह बीज फार्म में कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने किसानों की मौजूदगी में सरसों की बिजाई का शुभारंभ किया। उन्होंने किसानों से सरसों की बिजाई विज्ञानी तरीके से करने और उन्नत कृषि तकनीकों को अपनाने का आह्वान किया।

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि सरसों की अच्छी पैदावार के लिए समय पर बिजाई और खेत की सही तैयारी करना बहुत जरूरी है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	4-10-26	4	7-8

कुलपति ने उन्नत कृषि तकनीकों को अपनाने का आह्वान किया

सरसों की बिजाई का शुभारंभ करते कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज।

हिसार, 3 अक्तूबर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के डॉ. रामधन सिंह बीज फार्म में कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने किसानों की मौजूदगी में सरसों की बिजाई का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने किसानों से सरसों की बिजाई वैज्ञानिक तरीके से करने और उन्नत कृषि तकनीकों को अपनाने का आह्वान किया।

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा सुझाई गई उन्नत किस्मों और कृषि तकनीकों को अपनाने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि मौसम के अनुसार हरियाणा में सरसों की बिजाई 20 अक्तूबर तक की जा सकती है। इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग, लैंडस्केप यूनिट के प्रभारी डॉ. अरविन्द मलिक, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. ए.के. ढाका, कर्मचारी व किसान उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	4-10-26	12	1-3

प्रो. काम्बोज ने की सरसों की बिजाई वैज्ञानिक तरीके से करने की अपील

हकृवि के आरडीएस फार्म में कुलपति ने किया बिजाई का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

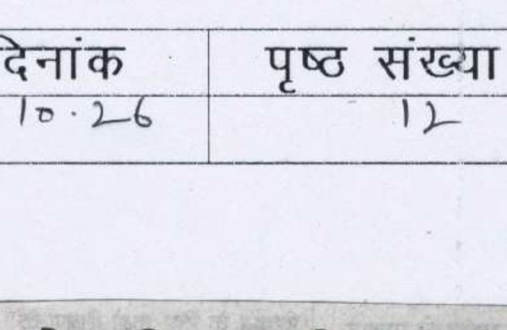

हिसार। सरसों की बिजाई का शुभारंभ करते कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के डॉ. रामधन सिंह बीज फार्म में कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने किसानों की मौजूदगी में सरसों की बिजाई का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने किसानों से सरसों की बिजाई वैज्ञानिक तरीके से करने और उन्नत कृषि तकनीकों को अपनाने का आह्वान किया। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि सरसों हरियाणा की प्रमुख तिलहनी फसलों में से एक है। इसकी अच्छी पैदावार के लिए समय पर बिजाई और खेत की सही तैयारी करना बहुत जरूरी है। उन्होंने किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा सुझाई गई उन्नत किस्मों और कृषि तकनीकों को अपनाने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि मौसम के अनुसार हरियाणा में सरसों की बिजाई 20 अक्टूबर तक की जा सकती है। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि सरसों फसल की अच्छी पैदावार के लिए समय पर सिंचाई, खरपतवार नियंत्रण तथा कीट एवं रोगों की नियमित निगरानी भी जरूरी है। फार्म के निदेशक-कम-नियंत्रण अधिकारी डॉ. संजय ठकराल ने बताया कि विश्वविद्यालय का रामधन सिंह बीज फार्म 2752 एकड़ में फैला हुआ है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार,
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	03.10.26	-----	----

20 अक्तूबर तक सरसों की बिजाई करें किसान, यह मौसम फसल के अनुकूल

सरसों की अच्छी पैदावार के लिए समय पर सिंचाई, खरपतवार नियंत्रण जरूरी : अनुसंधान निदेशक

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। सरसों की अच्छी वृद्धि और अधिक पैदावार के लिए हरियाणा के किसान 20 अक्तूबर तक बिजाई को संपन्न कर लें। समय पर बिजाई करने से फसल को अनुकूल मौसम मिलता है और पौधों की अच्छी वृद्धि होती है।

हालांकि किसानों को अपने क्षेत्र, सरसों की किस्म और सिंचाई की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बिजाई का समय तय करना चाहिए। बिजाई के समय खेत में पर्याप्त नमी होना भी जरूरी है, क्योंकि बहुत सूखी या अधिक गीली मिट्टी में बीज का अंकुरण प्रभावित हो सकता है। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि सरसों फसल की अच्छी पैदावार के लिए समय पर सिंचाई, खरपतवार नियंत्रण तथा कीट एवं रोगों की नियमित निगरानी भी जरूरी है। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे सरसों की बिजाई और फसल प्रबंधन के लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों और विस्तार विशेषज्ञों की सलाह के अनुसार कार्य करें। इससे किसान सरसों की बेहतर पैदावार प्राप्त करने के साथ अपनी आय में भी वृद्धि कर सकते हैं।

सरसों की बिजाई का शुभारंभ करते कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज

फार्म के निदेशक-कम-नियंत्रण अधिकारी डॉ. संजय ठकराल ने बताया कि विश्वविद्यालय का रामधन सिंह बीज फार्म 2752 एकड़ में फैला हुआ है जिसमें किसानों को उन्नत किस्मों के बीज उपलब्ध करवानें के लिए रबी एवं खरीफ फसलों की बिजाई की जाती है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा सरसो फसल की अनेक उन्नत किस्में ईजाद की गई है जिनकी बिजाई करके किसान अच्छी पैदावार प्राप्त कर सकते हैं। इन किस्मों में आरएच 1975, आरएच 725, आरएच 1424, आरएच 1706, आरएचएच 2101 सहित सरसों की अनेक वैरायटी शामिल हैं। इस अवसर पर लैंडस्केप यूनिट के प्रभारी डॉ. अरविन्द मलिक, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. ए.के. ढाका, कर्मचारी व किसान उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने सरसों बिजाई का किया शुभारंभ

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के डॉ. रामधन सिंह बीज फार्म में कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने किसानों की मौजूदगी में सरसों की बिजाई का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने किसानों से सरसो की बिजाई वैज्ञानिक तरीके से करने और उन्नत कृषि तकनीकों को अपनाने का आह्वान किया। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि सरसों हरियाणा की प्रमुख तिलहनी फसलों में से एक है। इसकी अच्छी पैदावार के लिए समय पर बिजाई और खेत की सही तैयारी करना बहुत जरूरी है। उन्होंने किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा सुझाई गई उन्नत किस्मों और कृषि तकनीकों को अपनाने की सलाह दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार,
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	03.10.26	-----	----

epaper.sachkahoon.com
04 Oct 2026 - Page 8

20 अक्तूबर तक सरसों की बिजाई करें किसान, समय पर बुवाई से मिलेगी बेहतर पैदावार

- एचएयू के बीज फार्म में कुलपति प्रो. काम्बोज ने किसानों की मौजूदगी में सरसों की बिजाई का किया शुभारंभ

सरसों की बिजाई का शुभारंभ करते कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज।

हिसार, 3 अक्तूबर (सच कहूँ/मुकेश)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के डॉ. रामधन सिंह बीज फार्म में कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने किसानों की मौजूदगी में सरसों की बिजाई का शुभारंभ किया। उन्होंने किसानों से सरसों की समय पर बिजाई करने के साथ उन्नत कृषि तकनीकों को अपनाने का आह्वान किया। कुलपति ने कहा कि सरसों हरियाणा की प्रमुख तिलहनी फसलों में शामिल है। अच्छी पैदावार के लिए समय पर बिजाई, खेत की उचित तैयारी और पर्याप्त नमी जरूरी है। मौसम की स्थिति को देखते हुए हरियाणा में सरसों की बिजाई 20 अक्तूबर तक की जा सकती है। उन्होंने किसानों को क्षेत्र, किस्म और सिंचाई सुविधा के अनुसार बिजाई का समय तय करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि किसान मृदा परीक्षण के आधार पर खाद एवं उर्वरकों का संतुलित प्रयोग करें। अच्छी तरह सड़ी गोबर की खाद का प्रयोग भी लाभकारी है। बिजाई से पहले प्रमाणित बीज का चयन, बीज उपचार और उचित बीज दर का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। इस अवसर पर लैंडस्केप यूनिट प्रभारी डॉ. अरविंद मलिक, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एके ढाका, कर्मचारी और किसान मौजूद रहे।

फसल की नियमित निगरानी जरूरी

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने कहा कि अच्छी पैदावार के लिए समय पर सिंचाई, खरपतवार नियंत्रण तथा कीट एवं रोगों की नियमित निगरानी जरूरी है। किसानों को फसल प्रबंधन के लिए विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों और विस्तार विशेषज्ञों की सलाह के अनुसार कार्य करना चाहिए।

" फार्म के निदेशक-कम-नियंत्रण अधिकारी डॉ. संजय ठकराल ने बताया कि डॉ. रामधन सिंह बीज फार्म 2752 एकड़ में फैला है। यहां किसानों को उन्नत किस्मों के बीज उपलब्ध कराने के लिए रबी और खरीफ फसलों की बिजाई की जाती है। विश्वविद्यालय की ओर से विकसित सरसों की प्रमुख किस्मों में आरएच-1975, आरएच-725, आरएच-1424, आरएच-1706 और आरएचएच-2101 शामिल हैं।